



चटि फंड (संशोधन) वधियक, 2019

प्रीलमिस के लिये

चटि फंड (संशोधन) वधियक, 2019 के प्रावधान

मेन्स के लिये

वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने में चटि फंड की भूमिका

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संसद में चटि फंड (संशोधन) वधियक, 2019 [Chit Fund (Amendment) Bill 2019] पारित किया गया। इसके द्वारा पहले से चले आ रहे चटि फंड अधिनियम, 1982 में महत्वपूर्ण बदलाव किये गए।

वधियक के मुख्य प्रावधान:

- इस वधियक में चटि फंड के लिये अनेक वैकल्पिक नामों के सुझाव दिये गए हैं जिससे इसके प्रति लोगों में एक नया भाव तथा विश्वास पैदा हो सके। जैसे- बंधुत्व कोष (Fraternity Fund), आवृत्त बिचत तथा ऋण संस्थान (Rotating Savings and Credit Institutions) आदि।
- इस वधियक में चटि फंड अधिनियम, 1982 में परिभाषित कुछ शब्दावली को बदला गया है। जो इस प्रकार हैं-
 - चटि राशि (chit amount) - वह राशि जो चटि फंड के सभी भागीदारों को जमा करनी होती है।
 - लाभांश (Dividend) - चटि फंड के संचालन के लिये अलग रखी गई राशि में भागीदारों का हिस्सा।
 - पुरस्कार राशि (Prize Amount) - चटि राशि तथा लाभांश का अंतर।
 - इस वधियक के तहत इन तीनों को क्रमशः सकल चटि राशि (Gross Chit Amount), छूट की हिस्सेदारी (Share of Discount), नविल चटि राशि (Net Chit Amount) नाम दिया गया है।
- वधियक में यह भी प्रावधान किया गया है कि चटि नकालते समय कम-से-कम दो सदस्यों का मौजूद होना अनिवार्य होगा। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि इसके सदस्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा भी जुड़ सकते हैं।
- इस वधियक में फोरमैन के लिये कमीशन की राशि को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त यह वधियक सबस्क्राइबर के क्रेडिट बैलेंस पर फोरमैन के वैध अधिकार की अनुमति देता है।
- चटि फंड अधिनियम, 1982 द्वारा यह प्रावधान किया गया था कि एक व्यक्ति या चार व्यक्तियों के सहयोग से चलने वाले चटि फंड में जमा करने की अधिकतम राशि 1 लाख रुपए होगी इसे बढ़ाकर अब 3 लाख रुपए कर दिया गया है।
- चार व्यक्तियों से अधिक या किसी फर्म द्वारा चलाए जा रहे चटि फंड में जमा करने की अधिकतम सीमा 6 लाख रुपए थी जिसे बढ़ाकर अब 18 लाख रुपए कर दिया गया है।
- चटि फंड (संशोधन) वधियक, 2019 के अधिनियम बनने के बाद इसके लागू होने की शर्तें भी उल्लिखित की गई हैं। इसके अंतर्गत कहा गया है कि यह अधिनियम नमिनल लिखित चटि फंड पर नहीं लागू होगा:
 - वे चटि फंड जिन्हें अधिनियम लागू होने से पहले शुरू किया गया है।
 - वे चटि फंड (या एक ही फोरमैन द्वारा चलाए जाने वाले कई चटि) जिनकी राशि 100 रुपए से कम है।
- यह वधियक चटि फंड के लिये 100 रुपए की धनराशि की सीमा को समाप्त करता है तथा राज्य सरकारों को आधार राशितय करने की अनुमति देता है जिससे अधिक की रकम होने पर एक्ट के प्रावधान लागू होंगे।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस, द हिंदू

